भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2404

जिसका उत्तर दिनांक 24.03.2022 को दिया जाना है

बीएआरसी और एनपीसीआईएल की क्षमता

2404 डा. कनिमोझी एनवीएन सोमू :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) और न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के अंतर्गत विद्युत संयंत्र अपनी अधिकतम उत्पादन क्षमता तक पहुंच गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान इन विद्युत संयंत्रों द्वारा कुल कितनी आय अर्जित की गई है और एनपीसीआईएल के प्रत्येक विद्युत संयंत्र द्वारा विद्युत साझेदारी के लिए कौन सा तरीका अपनाया गया है;

(ग) सरकार द्वारा देश में विशेषकर तमिलनाडु राज्य में नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान कुल कितनी निधि आवंटित एवं संवितरित की गई है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां । वर्तमान में, 6780 मेगावाट की संस्थापित क्षमता में से आरएपीएस-1 (100 मेगावाट) विस्तारित शटडाउन के अधीन है और टीएपीएस 1 तथा 2 (2X160 मेगावाट) और एमएपीएस-1 (220 मेगावाट) परियोजना मोड के अधीन है । शेष 6140 मेगावाट पूर्ण क्षमता के साथ प्रचालनरत है ।

(ख) एनपीसीआईएल के विद्युत संयंत्रों द्वारा पिछले पांच वर्षों में उत्पादित कुल आय का विवरण निम्नलिखित है :

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
प्रचालन से आय, रूपए करोड़ में	10003	12206	11528	12637	13335

नाभिकीय बिजलीघरों से प्राप्त बिजली का आबंटन, समय-समय पर लाभार्थी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को विद्युत मंत्रालय द्वारा किया जाता है ।

(ग) तमिलनाडु में स्थित नाभिकीय बिजलीघरों सहित नाभिकीय बिजलीघरों की संरक्षा और प्रचालन निष्पादन बढ़ाने के लिए, विकसित वैश्विक मानक और देश और विश्व दोनों के प्रचालन अनुभव और प्रतिपुष्टि के अनुसार अत्याधुनिक पद्धतियां अपनाई गई हैं । इसमें स्वास्थ्य मूल्यांकन पर आधारित उपकरण का भविष्यसूचक और निवारक अनुरक्षण; नवीनतम प्रौद्योगिकी और उपकरणों का उपयोग करके विभिन्न घटकों और उपकरणों का सेवाकाल निरीक्षण और स्वास्थ्य मूल्यांकन; नवीकरण और आधुनिकीकरण; आवश्यक उन्नयन; एनपीसीआईएल, नियामक प्राधिकरण और अन्तर्राष्ट्रीय समकक्ष समीक्षाओं द्वारा संरक्षा समीक्षाएं; कार्मिकों के विस्तृत प्रशिक्षण के माध्यम से मानव निष्पादन वृद्धि इत्यादि शामिल है । इन चल रहे प्रयासों और किए गए उपायों के परिणामस्वरूप सुरक्षा निष्पादन और क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है ।

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के प्रचालनरत बिजलीघरों पर वहन किए गए पूंजीगत खर्च का विवरण निम्नलिखित है :

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
आवंटन (आरई) (रूपए करोड़ में)	200	342	1067	721	1132
पूंजीगत व्यय (रूपए करोड़ में)	93.78	230.67	741.03	688.25	439.81

* * * * *